

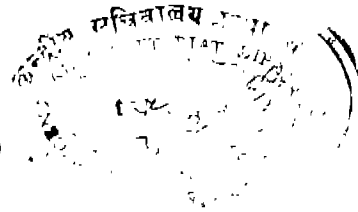


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रतिभकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 568]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 13, 1987/कार्तिक 22, 1909

No. 568]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 13, 1987/KARTIKA 22, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली, 13 नवम्बर, 1987

अधिसूचना

का. आ. 985(अ):—केंद्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण)
अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण गठित करती है, जिसमें गोहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, श्री न्यायमूर्ति जे.एम. श्रीवास्तव होंगे।

[फा. सं. 11/55/87-एन.ई.-1]

आर० वासुदेवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 13th November, 1987

NOTIFICATION

S.O. 985(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the “Unlawful Activities (Prevention) Tribunal” consisting of Shri Justice J. M. Srivastava, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. 11/55/87-NE. I]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.